

**वेध** पुं. (तत्.) 1. छेदना, बेधना विद्ध करना, प्रवेश; 2. समय का मान विशेष, 3. निशाना लगाने का कार्य 4. यंत्रों आदि की सहायता से नक्षत्रों और तारों आदि की गति विधि देखना।

**वेधक** वि. (तत्.) 1. वेधन करने वाला, छेदने वाला, नुकीली वस्तु से घायल करने वाला, रत्नों आदि को बेधकर जीविका चलाने वाला, रंधक 2. छेद करने का उपकरण पुं. 1. धनिया 2. कपूर 3. चंदन 4. अमलबैत 5. एक नरक।

**वेध-छिद्र** पुं. (तत्.) वेधने से किया गया छेद भू.वि. खनिज और जल आदि की खोज के लिए पृथ्वी में यंत्रों द्वारा किया जाने वाला गहरा छिद्र।

**वेधन** स.क्रि. (तत्.) 1. छेदने की क्रिया, खुदाई 2. छेदकर घाव करना 3. बाण आदि से निशाना लगाना 4. चुभोना।

**वेधनिका** स्त्री. (तत्.) 1. वेधनी, वह औजार या यंत्र जिससे रत्न, मणि आदि में छेद किए जाते हैं 2. बरमा, बर्मा।

**वेधनी** स्त्री. (तत्.) 1. हाथ से कान छेदने का औजार 2. मणि आदि में छेद करने का औजार, वेधनिका 3. बरमा, बर्मा।

**वेधनीय** वि. (तत्.) वेध करने योग्य, जिसमें छेद किया जाए या किया जा सके, जिसका वेध करना हो।

**वेधशाला** स्त्री. (तत्.) वह स्थान जहाँ ग्रहों और नक्षत्रों आदि का वेध करने अर्थात् उनकी स्थिति, गति आदि की जानकारी के लिए यंत्र आदि हों।

**वेधस** पुं. (तत्.) सृष्टिकर्ता, विधाता, ब्रह्मा, दक्ष आदि प्रजापति 2. शिव 3. विष्णु 4. अर्क, मदार 5. पंडितजन 6. हथेली में अँगूठे की जड़ के समीप का स्थान, अंगुष्ठमूल।

**वेधा** पुं. (तद्.) 1. ब्रह्मा, सृष्टि का रचयिता 2. विष्णु 3. शिव, महादेव 4. सूर्य 5. दक्ष आदि प्रजापति।

**वेधालय** पुं. (तत्.) दे. वेधशाला।

**वेधित** वि. (तत्.) 1. छेदा हुआ, छिद्रित, विद्ध, बीधा हुआ, वेधा हुआ 2. (ग्रह या नक्षत्र) जिसका भली भांति पर्यवेक्षण किया जा चुका हो।

**वेधिनी** स्त्री. (तत्.) जोंक वि. 1. वेध/छेद करने वाली महिला, वेधी, निशाना लगाने वाली 2. नक्षत्रों/ग्रहों आदि का वेध करने वाली।

**वेधी** पुं. (तद्.) 1. वह जो वेध करता हो, भेदन/वेधन करने वाला, छेदने वाला 2. नक्षत्रों/ग्रहों आदि का वेध करने वाला।

**वेध्य** वि. (तत्.) वेधनीय, जिसमें वेध/छेद किया जाए पुं. लक्ष्य, निशाना।

**वेपथु** पुं. (तत्.) कँपकँपी, कंप, थरथरापन।

**वेल** पुं. (तत्.) 1. उपवन, बाग, बगिया, बगीचा 2. विलास स्त्री. 1. वेला, किसी कार्य या अनुष्ठान के लिए निर्धारित समय 2. विद्यालयों में कक्षा के लिए निर्धारित काल खंड पीरियड 3. समुद्र या नदी का तट, तरंग, लहर 4. सहज मृत्यु 5. मर्यादा, सीमा।

**वेलना** अ.क्रि. (तद्.) काँपना, हिलना; व्याकुल होना।

**वेला** स्त्री. (तत्.) 1. काल, समय, वक्त, मौसम, अवसर, अवकाश ऋतु लहर, प्रवाह, धारा 2. दिन और रात का चौबीसवाँ भाग 3. समुद्र की लहर प्रवाह, सीमा, तट 4. रोग, सहज मृत्यु उदा. 'वेला क्षण-क्षण निकट आ रही क्षितिज क्षीण फिर लीन हुआ' -प्रसाद।

**वेल्लज** स्त्री. (तत्.) काली मिर्च।

**वेल्लि** स्त्री. (तद्.) बेल, लता।

**वेल्लित** वि. (तत्.) कंपित, कंपायमान, थरथराने वाला, हिलाया हुआ, लिपटा हुआ, टेढ़ा-मेढ़ा।

**वेल्ली** स्त्री. (तत्.) बेल, लता।

**वेश** पुं. (तत्.) 1. कपड़े आदि से स्वयं को सजाना, पोशाक 2. किसी का कपड़े आदि पहनने का ढंग, पहनावा, पहनने के कपड़े आदि 3. खेमा, तंबू 4. घर, मकान 5. प्रवेश द्वार, भीतर जाने का रास्ता 6. वेश्यालय।